Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 7

(1108)

UG (CBCS) RUSA Ist Semester (Old) Examination

1258

SANSKRIT

(Natak Vyakaran Evam Shiksha Vyavastha)

(Major)

BASKT–0102

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट :– प्रत्येक भाग से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग-क

1. (अ) अधोलिखितानां प्रश्नानां एकपदेन उत्तरं लिखतु–

(क) नागानन्द नाटके अङ्कानां संख्या कति ?

(ख) शङ्खचूडः कः (तस्य नाम) ?

(ग) जीमूतकेतु कस्य पिता आसीत् ?

(घ) सुनन्दः कस्य सेवकः ?

(ङ) विदूषकस्य नाम किम् ?

(च) चतुरिका कस्याः दासी आसीत् ?

(छ) 'कर्तृ' शब्दस्य एकवचन रूप लिखत।

(ज) 'मुनि' शब्द्रस्य तृतीया बहुवचन रूप लिखत।

(झ) 'घ्रा' धातोः लट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन रूप लिखत।

(ञ) 'अस्' धातोः लोट् लकार उत्तम पुरुष बहुवचन रूप लिखत। 1×10=10

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **50** शब्दों में लिखिए–

(क) नागानन्द नाटक के प्रथम अङ्क का सारांश लिखिए।

(ख) 'साधु' **अथवा** 'पितृ' शब्द के सभी रूप लिखिए।

(ग) 'मन्' अथवा 'दा' धातु लट् लकार के सभी रूप लिखिए।

(घ) श्रीहर्ष के ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

(ङ) शिष्य की वेशभूषा लिखिए। 4×5=20

भाग-ख

2. निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से **एक** प्रश्न का उत्तर लगभग **100** शब्दों में लिखिए—

(क) नागानन्द नाटक में वर्णित रस व उसके स्थायीभाव की विशेषता लिखिए।

अथवा

नागानन्द नाटक के द्वितीय अङ्क का सारांश लिखिए।

(ख) नागानन्द नाटक की किस घटना से तत्कालीन समाज में 'परोपकार की भावना' दिखाई देती है ? लिखिए।



अथवा

प्राचीन शिक्षा-पद्धति में पाठ्यक्रम निर्धारण के आधार लिखिए। 5×2=10

भाग-ग

3. निम्नलिखित में से **एक** भाग का उत्तर यथानिर्दिष्ट लिखिए–

(क) सुधी (द्वितीया विभक्ति), निर्जर (प्रथमा विभक्ति), किम् (पुल्लिङ्ग प्रथमा विभक्ति), मुनि (षष्ठी विभक्ति), कर्तृ (प्रथमा विभक्ति)।

(ख) निर्देशानुसार धातु रूप लिखिए–

दा (लृट् लकार, प्रथम पुरुष), कृष् (लोट् लकार–मध्यम पुरुष), क्षुध् (लट् लकार, उत्तम पुरुष), मुच् (लिङ् लकार–प्रथम पुरुष), ग्रह (लृट् लकार, उत्तम पुरुष)।

अथवा

(क) निर्देशानुसार शुद्ध रूप लिखिए–

पितृ (प्रथमा विभक्ति), साधु (पंचमी विभक्ति), किम् (नपुंसक, प्रथमा विभक्ति), सुधी (तृतीया विभक्ति), मुनि (षष्ठी विभक्ति)।

(ख) निर्देशानुसार धातु रूप लिखिए–

धा (लट्–प्रथम पुरुष), नश् (लोट–उत्तम पुरुष), छिद् (लट्–मध्यम पुरुष), मन् (लिङ्–प्रथम पुरुष), दा (लोट्–उत्तम पुरुष)। 5×2=10

भाग-घ

4. अधोलिखित दो भागों में से किसी **एक** का उत्तर यथानिर्दिष्ट लिखिए–

(क) (अ) श्लोक का अर्थ लिखिए–

दक्षिणं स्पन्दते चक्षुः फलाकाङ्क्षा न मेक्वचित्।
न च मिथ्या मुनिवचः कथयिष्यति किंन्विदम्॥

(ब) श्रीहर्ष के नाटक नागानन्द के अनुसार सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) (अ) नाटक नागानन्द के तृतीय अङ्क का सारांश लिखिए।

(ब) श्लोक का अर्थ लिखिए–

विधातुं पितृशुश्रूषां त्यक्त्वैक्ष्वर्यं क्रमागतम्।

वनं याम्यहमद्यैव यथा जीमूतवाहनः॥ 5×2=10

भाग-ङ

5. **एक** भाग का यथानिर्दिष्ट उत्तर लिखिए–

(क) (अ) निम्नलिखित गद्य का हिन्दी अर्थ लिखिए–

तद् यावत् अहं गृहं गत्वा गृहिणीमाह्यअङ्गीतकमनुतिष्ठामि। (परिक्रम्य नेपथ्याभिमुखमालोक्य) इदम स्मदगृहं, यावत् प्रविशामि (प्रविश्य) आर्य्ये! इतस्तावत्।

(ब) शंखचूड़ का चरित्र-चित्रण लिखिए।

अथवा

(ख) (अ) निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी अर्थ लिखिए–

द्विजनबन्धुहिते मद्भवनतटाकर्हंसिमृदुशीले।

परपुरुष चन्द्रकमलिन्यार्थे कार्यादितस्तावत्॥

(ब) मलयवती का चरित्र-चित्रण लिखिए। 5×2=10